Popular Front of India

+91 11 46526919
popularfrontmail@gmail.com
www.popularfrontindia.org
/PopularFrontofIndiaOfficial
@PFIOfficial
/PopularFront EMedia
/pfiofficial

प्रेस रिलीज़

16 जून 2021

पॉपुलर फ्रंट को एक बार फिर निशाना बनाने और बदनाम करने की कोशिशों का संगठन करेगा मुकाबला

नई दिल्लीः पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के चेयरमैन ओ एम ए सलाम ने अपने एक बयान में कहा कि फासीवादी ताकतों और उनके एजेंटों द्वारा छेड़े गए संगठन को बदनाम करने के नए अभियान को पॉपुलर फ्रंट बेनकाब और उनका मुकाबला करेगा।

बीजेपी और उसकी फर्ज़ी न्यूज मिशनरी ने एक बार फिर पॉपुलर फ्रंट को निशाना बनाने और बदनाम करने का नया अभियान छेड़ा है। पिछले 2 दिनों से 3 अलग–अलग खबरों के द्वारा संगठन को बदनाम करने का प्रयास चल रहा है। बदनाम करने के इस अभियान का समय यह साबित करता है कि यह बीजेपी और आरएसएस की आईटी और फर्ज़ी न्यूज सेल के द्वारा शुरू किए गए अभियान का हिस्सा है। इस तरह की खबरों का ज़्यादातर संघ से जुड़े हिंदी व अंग्रेजी न्यूज़ पोर्टलों पर आना भी बड़े मंसूबे का पता देता है।

कुछ महीनों पहले आईटी विभाग ने सभी चौरिटेबल संगठनों को इनकम टैक्स में मिली छूट से पॉपुलर फ्रंट को अलग करने का राजनीतिक फैसला लिया था। संगठन पहले ही इस फैसले को कानूनी रूप से चुनौती दे चुका है, क्योंकि इसके जो कारण बताए गए हैं वे अपने आप में राजनीतिक हैं और यह स्पष्ट है कि आयकर विभाग ने बीजेपी सरकार के द्वारा तैयार किए गए आरोपों पर आधारित पेपर पर हस्ताक्षर करते हुए केवल एक रबर स्टांप का काम किया है। इसी पुरानी खबर को कुछ मीडिया की तरफ से नया बनाकर पेश किया जा रहा है, जिससे यह साफ पता चलता है कि हमारे संगठन को बदनाम करने के मंसूबे के तहत एक पुराने मुद्दे को सनसनीखेज़ बनाकर दिखाने की कोशिश की जा रही है। वहीं एक फर्ज़ी खबर यह भी चल रही है कि पॉपुलर फ्रंट ने रोहिंग्या शरणार्थियों के माध्यम से यूपी चुनावों में हेरफेर करने की साज़िश रची है।

इस आरोप की टाइमिंग से यह स्पष्ट होता है कि बदनाम करने का यह अभियान बीजेपी की बौखलाहट की निशानी है जो कोरोना महामारी के दौरान विशेषकर यूपी के अंदर सरकार की गंभीर प्रशासनिक नाकामियों से जनता का ध्यान भटकाना चाहती है। इसी तरह बीजेपी समर्थित कुछ फेक न्यूज़ मीडिया पॉपुलर फ्रंट को बिना किसी आधार के केरल के एक जंगल से जिलेटिन छड़ियों की जब्ती मामले से जोड़ने की कोशिश कर रही हैं, हालांकि जांच एजेंसियों की ओर से इस तरह का कोई बयान नहीं आया है। केरल में ब्लैक मनी की एक बड़ी डीलिंग और मनी लॉन्ड्रिंग के कारण बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं की जांच शुरू होने के बाद से पार्टी संकट का शिकार है। अदालत में सौंपी गई रिपोर्ट में पुलिस ने इसे देश की अर्थव्यवस्था के खिलाफ अपराध करार दिया है। यह स्पष्ट रूप से ब्लैक मनी का इस्तेमाल करके राज्य के विधानसभा चुनाव को नुकसान पहुंचाने की बीजेपी की एक कोशिश थी। पार्टी अब इस मुद्दे से मीडिया का ध्यान भटकाना चाहती है। एक लीक टेप में एक वरिष्ठ बीजेपी

प्रवक्ता को यह सिफारिश करते देखा गया कि इस मामले पर मीडिया की चर्चा को भटकाने के लिए पार्टी को हर प्रयास करना चाहिए। इसलिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं कि केरल पुलिस, प्रदेश जांच एजेंसियां और क्षेत्रीय भाषाओं की मीडिया यह कह रही हैं कि जिलेटिन छड़ियों की बरामदगी पर अभी जांच चल रही है, और बीजेपी से जुड़ी मीडिया का एक वर्ग इसे पॉपुलर फ्रंट से जोड़ने के लिए उतावला हुआ जा रहा है।

हाल के विधानसभा चुनावों में अपनी करारी हार और आने वाले यूपी चुनावों में जनता के सामने पेश करने के लिए कुछ भी न होने के कारण बीजेपी और संघ परिवार गंभीर राजनीतिक संकट का सामना करने पर मजबूर हैं। बीजेपी को लगता है कि राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर लोगों का पागलपन और मुस्लिम समुदाय व संगठनों को बदनाम करन बाकी सभी दूसरे राजनीतिक प्रश्नों को सामने से मिटा देगा। ऐसा पहले तो हुआ होगा, लेकिन अब यह फैसला विपक्षी दलों और देश की मुख्यधारा की मीडिया पर है कि क्या वे उसी पुरानी चाल का हर बार शिकार बनते रहेंगे या वे इसके असल चेहरे को बेनकाब करेंगे। बीजेपी के इस प्रकार के प्रोपगंडे पर जीत हासिल करना न केवल गैर–बीजेपी पार्टियों के अस्तित्व बल्कि लोकतंत्र जैसे देश के संवैधानिक मूल्यों को बाकी रखने के लिए ज़रूरी है।

जहां तक पॉपुलर फ्रंट का सवाल है, तो जहां लोगों को गुमराह करने, राजनीतिक चर्चा को हाईजैक करने और फर्ज़ी आतंकवादी कहानियों को लेकर निर्दोषों को बलि का बकरा बनाने के लिए उसके नाम का दुरुपयोग किया जाएगा, वहां संगठन बैठकर तमाशा नहीं देखेगा। पॉपुलर फ्रंट इस प्रोपगंडे का मुकाबला करेगा और सभी कानूनी व लोकतांत्रिक माध्यमों का इस्तेमाल करके देश की जनता के सामने इसे बेनकाब करेगा।

डायरेक्टर, मीडिया एवं जनसंपर्क
मुख्यालय, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया
नई दिल्ली